कुल छपे पृष्ठों की संख्या - 6
कुल छपे प्रश्नों की संख्या - 20

X–51–

नामांक	12	2	1

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र 2023–2024

कक्षा—XII (बारहवीं)

विषय—हिन्दी अनिवार्य

समय : 3¼ घंटे पूर्णांक : 70

निर्देश : (1) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।
(2) विद्यार्थी अपने नामांक प्रश्न-पत्र पर अनिवार्यत: लिखे।
(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
(4) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।
(5) जिन प्रश्नों के आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ लिखें।

खण्ड : अ

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :1×5=5

नारी त्याग और तपस्या की अद्‌भुत विभूति हैं, इन्हीं दोनों तत्त्वों के समन्वय से हमारी भारतीय नारी का स्वरूप संगठित हुआ हैं। नारी जीवन का मूलमंत्र है—'त्याग' और इस मंत्र को सिद्ध करने की क्षमता उसे प्रदान की हैं तपस्या ने। हम ठीक-ठीक नहीं कह सकते है कि उसके जीवन के किस अंश में इन महनीय तत्त्वों के विलास का दर्शन हमें नहीं मिलता, परन्तु यदि हम उसके पूर्व जीवन को 'तपस्या' का काल तथा उत्तर जीवन को 'त्याग' का काल माने तो कथमपि अनुचित न होगा। नारी के तीन रूप हमें दिखाई पड़ते है—कन्या रूप, भार्या रूप तथा मातृ रूप। कौमार काल नारी जीवन की साधनावस्था है तथा उत्तर काल उस जीवन की सिद्धावस्था है। हमारी संस्कृति के उपासक संस्कृत कवियों ने नारी की तीन अवस्थाओं का चित्रण बड़ी सुन्दरता के साथ किया है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक है :
(अ) नारी (ब) नारी के रूप
(स) भारतीय नारी का जीवन (द) नारी-स्वरूप

(ii) उपर्युक्त गद्यांश में त्याग और तपस्या की अद्‌भुत विभूति किसे बताया है ?
(अ) देवता (ब) राक्षस
(स) नारी (द) पुरुष

(iii) नारी जीवन का मूल-मंत्र हैं :

(अ) तपस्या (ब) त्याग

(स) श्रद्धा (द) भक्ति

(iv) नारी को त्याग रूपी मंत्र को सिद्ध करने की क्षमता प्राप्त होती हैं :

(अ) तपस्या से (ब) युक्ति से

(स) मातृ-रूप से (द) उपर्युक्त सभी

(v) नारी का प्रमुखत: कौनसा रूप दिखाई पड़ता हैं ?

(अ) कन्या रूप (ब) भार्या रूप

(स) मातृ-रूप (द) उपर्युक्त सभी

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×5=5

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है,
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर हैं।
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर हैं,
किन्तु आ रही नयी जिन्दगी
यह विश्वास अमर है।
जन-गंगा में ज्वार,
जहर तुम, प्रवहमान् रहना
पहरूए, सावधान रहना।

(i) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक होगा :

(अ) मशाल (ब) सावधान

(स) नई जिन्दगी (द) पहरूए सावधान रहना

(ii) 'आगे कठिन डगर है' में कवि का 'डगर' से तात्पर्य है :

(अ) रास्ता (ब) राह

(स) मार्ग (द) प्रगति की डगर

(iii) 'जन-गंगा में ज्वार' पंक्ति में कवि ने 'ज्वार' कहा है :

(अ) लहर को (ब) तरंग को

(स) उत्साह को (द) आकांक्षा को

(iv) 'कमजोर हमारा घर हैं' पंक्ति में 'कमजोर' से कवि का आशय है :

(अ) सम्पन्नता (ब) विपन्नता

(स) निरक्षरता (द) साक्षरता

(v) 'शत्रु हट गया लेकिन उसकी छायाओं से डर हैं' कवि ने शत्रु किसे बताया हैं ?

(अ) मुगलों को (ब) अफगानों को

(स) अंग्रेजों को (द) इच्छाओं को

3. दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 1×6=6

(i) भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने संबंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को ..... कहते है।

(ii) हिमालय पर चढ़ाई करना कठिन काम हैं। वाक्य में ..... शब्द शक्ति है।

(iii) जिस भाषा को बालक अपनी माँ तथा परिवार द्वारा सीखता हैं, उसे ..... कहते है।

(iv) जहाँ शब्द की आवृति हो, किन्तु अर्थ भिन्न हो वहाँ ..... अलंकार होता है।

(v) 'गंधी गंध गुलाब को गवई गाहक कौन।' पंक्ति में ..... अलंकार है।

(vi) व्यंजना से प्रकट होने वाले अर्थ को ..... कहते है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में दीजिए : 1×11=11

(i) 'राम की शक्ति पूजा' किसकी रचना है ?

(ii) 'भक्तिन' का भक्तिन नाम किसने रखा ?

(iii) मेढ़क मण्डली का दूसरा नाम क्या था?

(iv) निम्न पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए :

(अ) Editor (ब) Ballot

(v) समाचार पत्र किस शैली में लिखा जाता है?

(vi) 'पहलवान की ढोलक' पाठ में किस बीमारी का उल्लेख हुआ है?

(vii) 'मुअनजो-दड़ो' का अर्थ लिखिए।

(viii) लेखक ने शिरीष की तुलना किसने की हैं?

(ix) 'जूझ' के कथानायक का नाम क्या हैं?

(x) 'गोस्वामी तुलसीदास' की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(xi) 'अरे ये वेडिंग एनिवर्सरी वगैरह सब गौरे साहबों के चोचलें हैं।' यह शब्द किसने कहे?

खण्ड : ब

निर्देश : प्रश्न संख्या 5 से 14 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं। 2×10=20

5. फीचर और समाचार लेखन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
6. जैनेन्द्र कुमार अथवा गोस्वामी तुलसीदास का कवि परिचय दीजिये।
7. 'पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं' बच्चों का उड़ान से कैसा सम्बन्ध बनता हैं?
8. 'काले मेघा पानी दे।' में लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान का द्वन्द्व चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।
9. 'केमरे में बंद अपाहिज' कविता की मूल संवेदना लिखिए।
10. भगत जी पर बाजार का जादू नहीं चलता, क्यों?
11. 'सिल्वर वेडिंग' कहानी किस द्वन्द्व पर आधारित हैं?
12. वर्तमान में हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का नामोल्लेख कीजिए।
13. 'ऐ जीवन के पारावार' बादल के लिए ऐसा क्यों कहा गया हैं?
14. सिन्धु सभ्यता में होने वाली खेती का वर्णन कीजिए।

खण्ड : स

शब्द सीमा - 60 शब्द

15. 'जूझ' आत्म कथात्मक अंश के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 3

अथवा

'बाजार दर्शन' निबन्ध में बाजारीकरण की किन प्रवृत्तियों को बताया है ?

16. ''फिराक गोरखपुरी की रूबाइयों की भाषा एवं प्रसंग सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सादगी की याद दिलाता है।'' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड : द

17. अपने विद्यालय में कार्यालय सामग्री क्रय करने हेतु एक निविदा लिखिए। 4

अथवा

सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर की ओर से एक अर्द्ध शासकीय पत्र पुलिस महानिदेशक राजस्थान सरकार, जयपुर को लिखा जाए जिसमें बोर्ड प्रश्न-पत्र की सुरक्षा का आग्रह हो।

18. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हो जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।
मैं रोया इसको तुम कहते हो गाना,
मैं फूट पड़ा, तुम कहते छंद बनाना,
क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाए,
मैं दुनिया का हूँ एक नया दीवाना।

अथवा

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटती
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की,
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।
रस का अक्षय पात्र सदा का,
छोटा मेरा खेत-चौकोना।

19. निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

रात्री की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।

अथवा

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामध्न्या गोपालिका की कन्या है—नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे-मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह हैं, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता हैं।

20. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 400 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 5

(अ) मेरा प्रिय साहित्यकार
(ब) समाज में नारी का योगदान
(स) राजस्थान के पर्यटन स्थल
(द) नैतिक शिक्षा का महत्व

❐ ❐ ❐